नरपत सिंह

बनाम

राजस्थान वित्तीय निगम

24 सितम्बर 2007

ए.के. माथुर और मार्कण्डेय काटजू, जे.जे.

जहॉ तक न्यायालय के आदेश और निर्देश के स्पष्टीकरण की बात है तत्कालीन अन्तवर्ती आवेदन पूर्णतः गलत है एवं खारिज किया जाता है - उसके अलावा, आमतौर पर एक अन्तवर्ती आवेदन केवल लम्बित मामलों में ही पोषणीय है, न कि किसी मामले के अन्तिम रूप से निपटारे, निस्तारण के पश्चात ऐसी स्थिति में न्यायालय के पास विधिक कार्य क्षमता विद्यमान नही होती है (funtus officio)

सिविल अपीलीय क्षेत्राधिकार: आई.ए. संख्या 15-16/2007 में

सिविल अपील संख्या 2181-2182/2001 में

एस.बी. सिविल द्वितीय अपील नं. 447/1197 और 232/1998 में राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ के अन्तिम निर्णय एवं आदेश दिनांक 22.05.2000 से।

साथ में

सी.ए. संख्या 2181-2182/2001 में अवमानना याचिका (सी) संख्या 151-152/2017 अपीलार्थी की ओर से सुशील कुमार गुप्ता

उत्तरदाता की ओर से सुशील कुमार जैन, पुनीत जैन, पीयूष जैन एवं एच.डी.थानवी।

न्यायालय का निम्नलिखित आदेश सुनाया गया

आदेश

हमने पक्षों के विद्वान अधिवक्ता को सुना है।

न्यायालय के आदेश दिनांक 03/05/2007 के स्पष्टीकरण और निर्देश के लिए अन्तवर्ती आवेदन संख्या 15-16/2007 पूर्णतः गलत है। इसके अलावा सामान्यतः एक मामले के अंतिम रूप से निपटारे के बाद अन्तवर्ती आवेदन किया जाता है। सामान्यतः अन्तवर्ती आवेदन लंबित मामलों में ही पोषणीय होता है। एक बार ममले का अंतिम रूप से निस्तारण हो जाने के बाद न्यायालय विधिवतः सक्षम नही होता है और उसके बाद अन्तवर्ती आवेदन आमतौर पर केवल लिपिकीय या आकस्मिक गलती को सुधारने के लिए होता है। तदानुसार इसे खारिज किया जाता है। 6 महीने के बाद 2001 की सिविल अपील संख्या 2181-2182 में अवमानना याचिका (सी) नम्बर 151-152, 2007 में लगातार अन्तवर्ती आवेदन खारिज किया गया और अवमानना याचिका स्थगित की गई।

यह अनुवाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल 'सुवास' के जरिए अनुवादक न्यायिक अधिकारी फैसल खान, आर.जे.एस. द्वारा किया गया है।

अस्वीकरण : यह निर्णय पक्षकार को उसकी भाषा में समझाने के लिए सीमित उपयोग के लिए स्थानीय भाषा में अनुवादित किया गया है और किसी अन्य उद्देश्य के लिए इसका उपयोग नहीं किया जा सकता है। सभी व्यावहारिक और आधिकारिक उद्देश्यों के लिए, निर्णय का अंग्रेजी संस्करण प्रमाणिक होगा और निष्पादन और कार्यान्वयन के उद्देश्य से भी अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।